Answer Sheet With Explanation

Date: 18/02/2023

Duration : 2 hr

CIVIL SERVICES PRELIMINARY EXAM

VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

D

Test Booklet Code: 707 **Test Booklet No:** 360606 **Total Ques:** 100

1 D

Ex. ओजोन परत, जो पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करती है, समताप मंडल में पाई जाती है। यह परत ऊंचाई से ऊपर है। इस परत द्वारा पराबैंगनी किरणों के अवशोषण के कारण समताप मंडल में ऊंचाई के साथ तापमान बढ़ता है।

2 C

Ex. रैडॉन हवा में मौजूद नहीं है। हीलियम, नियॉन, आर्गन, क्रिप्टन, क्सीनन और रेडॉन को नोबेल गैस या अक्रिय गैस के रूप में जाना जाता है और रेडॉन एक प्रा.तिक रूप से पाई जाने वाली रेडियोधर्मी गैस है जो यूरेनियम और रेडियम के क्षय से फेफड़ों के कैंसर का कारण बन सकती है।

3 A

Ex. वायुमंडल गैसों का एक गतिशील मिश्रण है जो लगातार चलते रहते हैं और नाइट्रोजन और ऑक्सीजन को बदलते रहते हैं जो शुष्क और स्वच्छ वातावरण का लगभग 99% हिस्सा बनाते हैं। नाइट्रोजन 78% और ऑक्सीजन 21% और आर्गन कार्बन डाइऑक्साइड, नियॉन, हीलियम, क्रिप्टन और हाइड्रोजन एक साथ वायुमंडल की बाकी गैसों का 1% खाते हैं।

4 B

Ex. भूकंप की प्राथमिक तरंगों के संबंध में कथन (बी) सही नहीं है क्योंकि प्राथमिक तरंगें ठोस तरल और गैस के माध्यम से चल सकती हैं। भूकंपों में पी–तरंगों का वेग 5 से 8 किमी/सेकंड की सीमा में होता है। ये तरंगें ध्वनि तरंगों की तरह होती हैं, यह सभी माध्यमों (ठोस, द्रव और गैस) में चल सकती हैं।

5 B

Ex. अधिकेंद्र पृथ्वी की सतह पर वह स्थान है जहां किसी विशेष भूकंप का कंपन सबसे पहले पहुंचता है। अधिकेंद्र पृथ्वी की सतह पर वह स्थान है जो भूकंपीय तरंगों को सबसे पहले रिकॉर्ड करता है क्योंकि यह सीधे फोकस या हाइपोसेंटर (भूकंपीय तरंगों की उत्पत्ति का बिंदु) के ऊपर स्थित होता है।

6 C

Ex. कथन (सी) पृथ्वी के इंटीरियर के कोर की संरचना के बारे में सही है।

पृथ्वी का आंतरिक भाग निफे (नी–निकेल और थ्म–आयरन) से बना है। यह पृथ्वी की सबसे गहरी परत है। इसे आगे बाहरी और आंतरिक कोर में विभाजित किया गया है। बाहरी कोर तरल अवस्था में है और आंतरिक कोर ठोस अवस्था में है। कोर बहुत भारी सामग्री से बना होता है जो ज्यादातर निकल और लोहे से बना होता है। इसे कभी–कभी निफ परत के रूप में जाना जाता है।

7 C

Ex. पृथ्वी के आंतरिक भाग में गहराई बढ़ने के साथ तापमान बढ़ता है। तापमान और दबाव उत्तरोत्तर पृथ्वी के कोर से निकटता के साथ बढ़ते हैं, अर्थात, जैसे–जैसे हम पृथ्वी के अंदर गहराई में जाते हैं, तापमान और दबाव दोनों बढ़ते जाते हैं।

पृथ्वी के आंतरिक भाग की संरचना मूल रूप से तीन परतों–क्रस्ट, मेंटल और कोर में विभाजित है।

क्रस्ट पृथ्वी का सबसे बाहरी ठोस हिस्सा है जो आमतौर पर (8–40 किमी) मोटा होता है। मेंटल क्रस्ट (लगभग 2900 किमी मोटी) से परे है और कोर पृथ्वी के केंद्र के आसपास की सबसे भीतरी परत है।

8 B

Ex. 1220 ई. में अब्बासिद खलीफा अल–नासिर ने भारत में जन्मे अपने राजदूत रेड अल–दीन अबुल–फदाइल अल–हसन बिन मुहम्मद अल–सघानी को दिल्ली भेजा। खलीफा की मान्यता मात्र एक औपचारिकता थी, लेकिन इल्तुतमिश ने दिल्ली शह को सजाकर और अपने अमीरों, अधिकारियों और दासों को सम्मानित करके इसे बड़े पैमाने पर मनाया। 14वीं सदी के मोरक्कन यात्री इब्न बतूता खुद को दिल्ली का पहला स्वतंत्र शासक बताते हैं। इल्तुतमिश भारत का एकमात्र शासक था जिसे खलीफा की मान्यता प्राप्त थी। खलीफा की मान्यता के बाद, इल्तुतमिश ने अपने सिक्कों पर खलीफा का नाम अंकित करना शुरू किया, जिसमें उनके द्वारा पेश किया गया नया चांदी का टंका भी शामिल था।

9 B

Ex. इल्तुतमिश दिल्ली का पहला सुल्तान था जिसने नियमित सिक्के चलाए और दिल्ली को अपने साम्राज्य की राजधानी घोषित किया। इल्तुतमिश ने मुगल आक्रमण तक उत्तरी भारत पर अपने प्रभुत्व की नींव रखते हुए, सल्तनत के प्रशासन को संगठित किया। उसने चांदी का टंका और तांबे का जीतल – सल्तनत काल के दो बुनियादी सिक्के, 175 अनाज के मानक वजन के साथ पेश किए।

10 D

Ex. इल्तुतमिश को 'गुलाम का गुलाम' कहा जाता था। उन्हें एक युवा लड़के के रूप में गुलामी में बेच दिया गया था जहाँ उन्होंने अपना प्रारंभिक जीवन बुखारा और गजनी में कई मालिकों के अधीन बिताया था। 1190 के दशक के अंत में, घुरिद दास–सेनापति कुतुब–उद–दीन ऐबक ने उन्हें दिल्ली में खरीद लिया, इस प्रकार उन्हें गुलाम का गुलाम बना दिया।

11 C

Ex. अथर्ववेद मंत्र, प्रार्थना, मंत्र और मंत्रों का संग्रह है। अथर्ववेद चौथा वेद है जो दवाओं और आयुर्वेद से संबंधित है। अथर्ववेद 'अथर्वनस' का ज्ञान भंडार है, जो रोजमर्रा की जिंदगी के लिए प्रक्रियाएं हैं। इसमें 730 सूक्तों और मन्त्रों का संग्रह है।

12 A

Ex. वर्ण शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है। वर्ण एक संस्.त शब्द है जिसका अर्थ प्रकार, क्रम, रंग या वर्ग होता है। यह पहली बार ऋग्वेद में, इसके पुरुष सूक्त भजन में पाया गया था। यह शब्द ब्राह्मणवादी पुस्तकों में सामाजिक वर्गों को संदर्भित करता है। चार वर्णों के कर्तव्यों और कार्यों को बाद के समय के धर्मशास्त्र साहित्य पर विस्तृत किया गया है और अस्पृश्यता की अवधारणा को स्पष्ट रूप से रखा गया था।
चार वर्ण या सामाजिक समूह ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र हैं।

13 A

Ex. ऋग्वेद में वर्णित प्रसिद्ध 'दस राजाओं की लड़ाई' परुष्णी के तट पर लड़ी गई थी। ऋग्वेद में 'दस राजा का युद्ध' प्रमुख घटना थी और इस युद्ध के नायक द्रौपदी के पूर्वज उत्तर पांचाल साम्राज्य के राजा सुदास थे। युद्ध के पीछे का कारण विश्वामित्र और वशिष्ठ के बीच प्रतिद्वंद्विता थी।

14 C

Ex. मोहनजोदड़ो में विशाल स्नानागार मिला था। इसे प्राचीन विश्व का सबसे पहला सार्वजनिक जल टैंक कहा जाता है। यह लगभग 12 मीटर • 7 मीटर, अधिकतम गहराई 2.4 मीटर मापता है। दो चौड़ी सीढ़ियाँ, एक उत्तर से और दूसरी दक्षिण से, संरचना में प्रवेश के रूप में काम करती थी।

15 D

Ex. मोहनजोदड़ो और हड़प्पा सिंधु घाटी सभ्यता के दो शहर थे जो समान शहरी नियोजन का खुलासा करते थे। नगरों की वास्तुकला से पता चलता है कि सड़कें समकोण पर आड़ी–तिरछी बनी थीं, जल निकासी व्यवस्था अच्छी तरह से विकसित थी, भवनों में पक्की ईंटों का उपयोग किया जाता था और अन्य हड़प्पा शहरों के साथ व्यापार संबंध बनाने के लिए व्यापार केंद्र विकसित किए गए थे।

16 D

Ex. एमए जिन्ना ने खिलाफत आंदोलन में महात्मा गांधी की भागीदारी की निंदा की थी। जिन्ना विशेष रूप से कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं से दोस्ती करने के खिलाफ थे और उन्हें लगा कि यह देश के लिए किसी आपदा से कम नहीं होगा। उन्होंने गांधी को चेतावनी दी कि ब्रिटिश शासन के खिलाफ लोगों को लामबंद करने के लिए धार्मिक मुहावरों के इस्तेमाल से हिंदुओं और मुसलमानों के बीच स्थायी विभाजन होगा और भारत की एकता खतरे में पड़ जाएगी।

17 A

Ex. रवींद्रनाथ टैगोर ने असहयोग आंदोलन के दौरान विदेशी कपड़ों को जलाने का विरोध किया। वे विदेशी कपड़ों को जलाने के खिलाफ थे और इसे बेहूदा बर्बादी कहते थे। टैगोर ने खुले तौर पर आंदोलन की आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक तपस्या कहा। उन्होंने तर्क दिया कि भारत को असहयोग के बजाय दुनिया के सभी लोगों के सहयोग पर खड़ा होना चाहिए।

18 B

Ex. असहयोग आंदोलन के दौरान गांधीजी ने 'स्वराज' का नारा दिया था। उन्होंने स्वशासन और पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त करने के उद्देश्य से 5 सितंबर, 1920 को असहयोग आंदोलन की शुरुआत की। उन्होंने देश के लोगों से वादा किया कि असहयोग आंदोलन के शुभारंभ के साथ, भारत स्व–शासन (स्वराज) प्राप्त करेगा।

19 B

Ex. किचलू और सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में लोग जलियांवाला बाग में एकत्रित हुए।
कानून के खिलाफ पंजाब में विरोध प्रदर्शन करने के लिए किचलू को गांधीजी और डॉ सत्यपाल के साथ गिरफ्तार किया गया था। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और एक गुप्त स्थान पर ले जाया गया। दोनों गांधीजी के नेतृत्व में सत्याग्रह आंदोलन के समर्थक थे।

20 A

Ex. रोलेट एक्ट को 'ब्लैक–बिल' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि इसने पुलिस को किसी को भी बिना वारंट के तलाशी लेने और गिरफ्तार करने की अत्यधिक शक्तियाँ प्रदान की थीं। यह अधिनियम 1919 में लागू हुआ। अलोकप्रिय कानून में प्रेस पर सख्त नियंत्रण, बिना वारंट के गिरफ्तारी, मुकदमे के बिना अनिश्चितकालीन हिरासत का प्रावधान था। इन प्रतिबंधितों को रिहाई पर प्रतिभूतियों को जमा करना आवश्यक था।

21 C

Ex. सिंगापुर रेडियो पर 6 जुलाई, 1944 को अपने रेडियो संबोधन में सबसे पहले महात्मा गांधी को सुभाष चंद्र बोस ने 'राष्ट्रपिता' कहा था। आजाद हिंद रेडियो से उन्होंने भारत की आजादी की आखिरी लड़ाई के लिए गांधी का आशीर्वाद मांगा।

22 A

Ex. मोहन सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय सेना के विचार का सुझाव दिया। इसकी कल्पना सबसे पहले मलय में की गई थी। मोहन सिंह ब्रिटिश भारत सेना के भारतीय अधिकारी थे। भारतीय राष्ट्रीय सेना 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दक्षण–पूर्व एशिया में भारतीय राष्ट्रवादियों द्वारा गठित एक सशस्त्र बल था। सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में इसे फिर से मजबूत किया गया।

23 B

Ex. किया।

24 B

Ex. नमक सत्याग्रह आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी सर्वाधिक मानी जाती है। 1930 के नमक आंदोलन ने देश के संघर्ष के कारण मध्यम वर्ग की महिलाओं को उनके घरों से बाहर एक अभूतपूर्व आंदोलन का नेतृत्व किया। इसे महिलाओं के लिए .श्यमान और प्रमुख तरीके से आंदोलन का हिस्सा बनने के अवसर के रूप में चुना गया था। नमक सत्याग्रह शुरू होते ही महिलाओं का सड़कों पर उतरना शुरू हो गया।

25 A

Ex. जवाहरलाल नेहरू द्वारा वर्ष 1942 में कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' पेश किया गया था। 8 अगस्त, 1942 को, महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का आह्वान किया और बंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया।

26 B

Ex. 1942 के क्रिप्स मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू द्वितीय विश्व युद्ध के बाद डोमिनियन स्थिति के साथ एक भारतीय संघ का निर्माण था।
मिशन का लगभग सभी दलों ने विरोध किया था।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITL

27 C

Ex. पंडित नेहरू और मौलाना आजाद क्रिप्स मिशन के साथ आधिकारिक कांग्रेस वार्ताकार थे। क्रिप्प मिशन द्वितीय विश्व युद्ध में उनके प्रयासों के लिए भारतीय सहयोग और समर्थन को सुरक्षित करने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा मार्च, 1942 के अंत में एक प्रयास था।
मिशन का नेतृत्व सर स्टैफोर्ड क्रिप्स ने किया था।

28 A

Ex. स्वामी दयानंद सारस्वत को 'भारत का मार्टिन लूथर' कहा जाता है क्योंकि उन्होंने पहली बार अपने लेखन के माध्यम से स्वशासन की मांग उठाई थी।
आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द सरस्वती वैदिक संस्ःति में विश्वास रखते थे। उन्होंने 'वेदों की ओर लौटो' का नारा दिया।

29 B

Ex. मिरात–उल–अकबर एक फारसी भाषा की पत्रिका थी जिसकी स्थापना और संपादन राजा राम मोहन राय ने किया था।
समाचार पत्र पहली बार 12 अप्रैल, 1822 को प्रकाशित हुआ था। यह साप्ताहिक आधार पर शुक्रवार को प्रकाशित होता था।

30 B

Ex. राजा राम मोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की। ब्रह्म समाज की शुरुआत 20 अगस्त, 1828 को कलकत्ता में ताज राम मोहन राय और द्वारकानाथ टैगोर ने की थी।

31 C

Ex.

32 A

Ex.

33 D

Ex.

34 C

Ex.

35 D

Ex.

36 C

Ex.

37 A

Ex.

38 C

Ex.

39 A

Ex. वस्तुओं (यूएनएफसी–1997) के वर्गीकरण पर आधारित है। प्रदेश जम्मू और कश्मीर के सलाल–हैमाना क्षेत्र में 5.9 मिलियन टन के लिथियम 'अनुमानित' संसाधन (G3) स्थापित किए हैं।
• ''अनुमानित'' खनिज संसाधन एक संसाधन है जिसके लिए मात्रा, ग्रेड और खनिज सामग्री का अनुमान केवल निम्न स्तर के विश्वास के साथ लगाया जाता है।
• यह आउटक्रॉप्स, ट्रेंच, पिट्स, वर्किंग्स और ड्रिल होल जैसे स्थानों से एकत्रित जानकारी पर आधारित है जो सीमित या अनिश्चित गुणवत्ता के हो सकते हैं, और भूवैज्ञानिक साक्ष्य से कम विश्वसनीयता के भी हो सकते हैं।
• यह आरक्षित / संसाधनों के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय फ्रेमवर्क वर्गीकरण – 1997 के ठोस ईंधन और खनिज

40 D

Ex.

41 C

Ex. खाद्य संकट पर छठी वार्षिक वैश्विक रिपोर्ट (GRFC 2022) ग्लोबल नेटवर्क अगेंस्ट फूड क्राइसिस (CNAFC) द्वारा जारी की जाती है.
जीएनएएफसी के बारे में:
• GNAFC की स्थापना यूरोपीय संघ, FAO और विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) द्वारा 2016 विश्व मानवीय शिखर सम्मेलन खाद्य संकटों को रोकने, तैयार करने और प्रतिक्रिया देने और भूख को समाप्त करने के लिए सतत विकास लक्ष्य (SDG 2) का समर्थन करने के लिए की गई थी।

42 D

Ex.

43 B

Ex. मिल्की वे के केंद्र में स्थित ब्लैक होल (SAGITTARIUS A) की पहली बार तस्वीर ली गई थी।
इवेंट होराइजन टेलीस्कोप (ईएचटी) के खगोलविदों द्वारा पृथ्वी से लगभग 26,000 प्रकाश वर्ष दूर और मिल्की वे के केंद्र में स्थित सुपरमैसिव ब्लैक होल सैजिटेरियस ए' की पहली तस्वीर का खुलासा किया गया।
(एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग (वेधशालाओं का) एक आभासी पृथ्वी के आकार के टेलीस्कोप का उपयोग करके ब्लैक होल की छवियों को कैप्चर करना)

44 B

Ex.

45 C

Ex. विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने स्टेट ऑफ द ग्लोबल क्लाइमेट रिपोर्ट 2021 जारी की.
रिपोर्ट किस बारे में है?
• रिपोर्ट जलवायु संकेतकों जैसे तापमान, समुद्र की गर्मी, समुद्र के अम्लीकरण, समुद्र के स्तर में वृद्धि, समुद्री बर्फ के ग्लेशियर और चरम मौसम का विवरण प्रदान करती है।
• WMO स्टेट ऑफ द ग्लोबल क्लाइमेट रिपोर्ट 2021 जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल (IPCC) की छठी आकलन रिपोर्ट का पूरक है।
• IPCC जलवायु परिवर्तन, इसके कारणों, संभावित प्रभावों और प्रतिक्रिया विकल्पों पर ज्ञान के बारे में व्यापक आकलन रिपोर्ट तैयार करता है।

46 D

Ex.

47 C

Ex. विश्व वनों की स्थिति 2022 (SOFO 2022) को विश्व वानिकी कांग्रेस के दौरान संयुक्त राष्ट्र खाद्य और .षि संगठन (FAO) द्वारा जारी किया गया था.

एफएओ के बारे में:

एफएओ संयुक्त राष्ट्र के तहत सभी के लिए खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ एक विशेष एजेंसी है। रोम में मुख्यालय, इसमें 195 सदस्य हैं। (भारत एक सदस्य है)

हर साल, एफएओ खाद्य, .षि, वानिकी, मत्स्य पालन और प्रा.तिक संसाधनों से संबंधित कई प्रमुख 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड' रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

48 C

Ex.

49 C

Ex. नॉर्डिक देश प्रतिनिधित्व करते हैं:

- डेनमार्क,
- नॉर्वे,
- स्वीडन,
- फिनलैंड और
- आइसलैंड।

50 B

Ex.

51 A

Ex.

52 C

Ex.

53 C

Ex. केरल में पहला राष्ट्रीय महिला विधायक सम्मेलन तिरुवनंतपुरम घोषणा को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।

तिरुवनंतपुरम घोषणा का मुख्य विषय

• तिरुवनंतपुरम घोषणा लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33ः आरक्षण के लिए लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक (1996 से) पर दुख जताती है।

• संसद में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व, यानी राजनीतिक सशक्तिकरण की कमी विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रकाशित ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स पर भारत के खराब प्रदर्शन का मुख्य कारण है। (भारत 2021 में 156 देशों में से 140वें स्थान पर था)

54 C

Ex. भारत के सर्वोच्च न्यायालय में सभी स्वी.त सीटें भरी जाएंगी अर्थात 34 न्यायाधीश होंगे।

वर्तमान में, SC में 34 न्यायाधीशों की स्वी.त शक्ति के मुकाबले 29 न्यायाधीशों की शक्ति है।

क्या जजों की संख्या संविधान द्वारा तय की जाती है?

नहीं

भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 (1) के अनुसार, कानून द्वारा संसद अनुसूचित जाति की ताकत निर्धारित करती है।

55 B

Ex.

56 B

Ex. • उन जीवों में जो कोशिकीय श्वसन करते हैं, ग्लाइकोलाइसिस इस प्रक्रिया का पहला चरण है।

• ग्लाइकोलाइसिस प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला है जो ग्लूकोज को पाइरुवेट्स नामक अणुओं में विभाजित करके ऊर्जा निकालती है।

• इस प्रक्रिया के शुद्ध उत्पाद एटीपी के दो अणु और एनएडीएच के दो अणु हैं।

• लैक्टिक अम्ल अवायवीय श्वसन में उत्पन्न होता है।

57 C

Ex.

58 B

Ex. • विभज्योतक ऊतक, या सामान्य विभज्योतक, ऐसे ऊतक होते हैं जिनमें कोशिकाएँ हमेशा युवा रहती हैं और पौधे के जीवन भर सक्रिय रूप से विभाजित होती रहती हैं।

• पैरेन्काइमा ऊतक, कोलेन्काइमा ऊतक और स्क्लेरेन्काइमा ऊतक सरल स्थायी ऊतक हैं जो विभाजित करने की अपनी क्षमता खो चुके हैं

59 B

Ex. • शरीर के सामान्य कार्यों के लिए विटामिन आवश्यक हैं।

• मानव शरीर विटामिन का उत्पादन नहीं करता है, इसलिए इसे आहार से लेने की आवश्यकता है।

• विटामिन की आवश्यकता अपेक्षा.त कम मात्रा में होती है लेकिन इनकी कमी से विकार और रोग उत्पन्न होते हैं

• विटामिन ज्ञ की कमी से आंतरिक रक्तस्राव होता है

• बायोटिन की कमी से तंत्रिका संबंधी विकार हो जाते हैं।

• एनीमिया फोलिक एसिड या विटामिन बी 9 की कमी के कारण होता है

• कैल्सीफेरॉल या विटामिन–डी की कमी से हड्डियाँ नाजुक हो जाती हैं

• पेलेग्रा नियासिन या विटामिन बी 3 की कमी के कारण होता है

60 C

Ex. • स्टेम सेल एक ऐसी कोशिका है जिसका अभी तक शरीर म कोई विशिष्ट कार्य नहीं है

• वे विशिष्ट कोशिकाएँ हैं जो कोशिका विभाजन के माध्यम से लंबी अवधि के लिए खुद को नवीनी.त करती हैं

• उन्हें विशिष्ट कार्यों वाली कोशिकाएं बनने के लिए प्रेरित किया जा सकता है और इस प्रकार शरीर में किसी भी प्रकार की कोशिकाओं में बदलने की क्षमता होती है

• यह वर्तमान जैव प्रौद्योगिकी में कई गंभीर बीमारियों के अनुसंधान का केंद्र बिंदु बन गया है।

• स्टेम सेल को मानव शरीर के बुनियादी बिल्डिंग ब्लॉक्स में से एक माना जा सकता है

61 B

Ex. • बड़ी गर्दन की बीमारी, जिसे गोइटरिस के रूप में भी जाना जाता है, थायरॉयड का समग्र विस्तार है, या यह अनियमित कोशिका वृद्धि का परिणाम हो सकता है जो थायरॉयड में एव या अधिक गांठ (गांठ) बनाता है।

• दुनिया भर में गण्डमाला का सबसे आम कारण आहार में आयोडीन की कमी है।

62 C

Ex. • एनजूटिक गतिभंग, विटिलिगो रोग और विल्सन रोग तांबे की कमी से होने वाले रोग हैं

• एडिसन रोग सोडियम की कमी से होता है

63 D

Ex. • चिकनगुनिया एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। गंभीर जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, मतली, थकान और चकत्ते इसके लक्षण हैं।

• जीका एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से प्रसारित जीका वायरस के कारण होता है। लक्षण बुखार, दाने, नेत्रश्लेष्मलाशोथ, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, अस्वस्थता या सिरदर्द के लिए कोई नहीं हैं।

• डेंगू जीनस फ्लेविवायरस से संबंधित वायरस के कारण होता है जो एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। इसके लक्षण हैं अचानक तेज बुखार, तेज सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों में तेज दर्द।

64 B

Ex. • टैक्सोनॉमी जीव विज्ञान की वह शाखा है जो सभी जीवित चीजों को वर्गी.त करती है।

• यह सभी जीवित जीवों के नामकरण, वर्णन और वर्गीकरण से संबंधित है

• इसे स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री कैरोलस लिनिअस द्वारा विकसित किया गया था

• लिनिअस ने द्विपद नामकरण का आविष्कार किया, प्रत्येक प्रकार के जीव को एक जीनस और प्रजाति का नाम देने की प्रणाली।

• उन्होंने एक वर्गीकरण प्रणाली भी विकसित की जिसे टैक्सोनोमिक पदानुक्रम कहा जाता है।

65 C

Ex. • हे फीवर, जिसे एलर्जिक राइनाइटिस के रूप में भी जाना जाता है, एलर्जी की प्रतिक्रिया का एक रूप है जो नाक या मुंह के माध्यम से एलर्जी नामक छोटे वायुजनित कणों को अंदर लेने पर हो सकता है।

• एलर्जिक राइनाइटिस के रोगियों में नाक बंद होना, छींक आना, कान में रुकावट और सांस लेने में कठिनाई, आंखों और नाक में खुजली, और गले में खराश जैसे लक्षण होते हैंय यह अपेक्षा.त सामान्य है और सभी आयु समूहों को प्रभावित कर सकता है।

• यह हमारे तत्काल आंतरिक और बाहरी सेटिंग्स में अक्सर मौजूद कुछ एलर्जी के संपर्क में आने के कारण हो सकता है – धूल के कण, पौधे, मोल्ड, कीड़े।

66 D

Ex. हैं।

माइटोसिस और अर्धसूत्रीविभाजन।

• सूत्रीविभाजन दो समान संतति कोशिकाओं में परिणत होता है जो द्विगुणित होती हैं।

• अर्धसूत्रीविभाजन–1 के परिणामस्वरूप 2 यौन कोशिकाएं बनती हैं जो अगुणित होती हैं

• वहां 2 अगुणित कोशिकाएं अर्धसूत्रीविभाजन–2 से गुजरती हैं जिसके परिणामस्वरूप 4 अगुणित यौन कोशिकाएं बनती

67 A

Ex. • संघ प्लैथिल्मिन्थीज में उत्सर्जन अंगों के रूप में ज्वाला कोशिकाएं होती हैं

• फाइलम आर्थ्रोपोडा में मलफिजियन नलिकाएं उत्सर्जी अंगों के रूप में होती हैं

• फाइलम एनेलिडा में नेफ्रिडिया उत्सर्जी अंगों के रूप में होता है जो सही जोड़ी मेल खाता है।

68 B

Ex. • लाइसोसोम ऑर्गेनेल हैं जो मैक्रोमोलेक्यूल्स को पचाते हैं, कोशिका झिल्लियों की मरम्मत करते हैं, और कोशिका में प्रवेश करने वाले बाहरी पदार्थों पर प्रतिक्रिया करते हैं।

• लाइसोसोम के तीन मुख्य कार्य होते हैं: मैक्रोमोलेक्यूल्स (कार्बोहाइड्रेट, लिपिड, प्रोटीन और न्यूक्लिक एसिड) का टूटनाध्पाचन, कोशिका झिल्ली की मरम्मत, और बैक्टीरिया, वायरस और अन्य एंटीजन जैसे बाहरी पदार्थों के खिलाफ प्रतिक्रिया।

• जब लाइसोसोम फटते हैं, तो निकलने वाले पाचक एंजाइम अपनी ही कोशिकाओं को पचाना शुरू कर देते हैं।

• इसीलिए उन्हें आत्मघाती बैग के रूप में जाना जाता है।

69 A

Ex. • पादप कोशिका भित्ति सेल्युलोज की बनी होती है।

• सेल्युलोज एक संरचनात्मक कार्बोहाइड्रेट है और इसे एक जटिल चीनी माना जाता है क्योंकि इसका उपयोग संरक्षण और संरचना दोनों में किया जाता है।

• पादप कोशिका भित्ति में तीन परतें होती हैं। प्रत्येक परत क अपनी अनूठी संरचना और कार्य होता है।

70 B

Ex.

71 C

Ex. प्रथम संविधान संशोधन–1951 का संबध 1935 से नहीं है। प्रथम संवि. संशो. 1951 के अन्तर्गत अनुच्छेद 15, 19, 85, 87 आदि का संशोधन किया गया।

72 A

Ex.

73 D

Ex. सभी विकल्प सही हैं।

74 B

Ex.

75 D

Ex. सभी विकल्प सही है जो चीन के संविधान की व्याख्या कर रहे हैं।

76 A

Ex. सभी विकल्प गुजराल सिद्धांत के 5–प्रमुख बिन्दुओं की व्याख्या कर रहे हैं।

77 D

Ex. सभी विकल्प नवीन वर्तमान सरकार के पहल है।

78 A

Ex. दोनों कथन उचित है।

79 C

Ex. सभी विकल्प नीति आयोग के उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं।

80 D

Ex. नीति–आयोग की क्रियाविधियों को 4–प्रमुख शीर्ष में रखकर समझा जा सकता है।

81 A

Ex.

82 C

Ex. यह भाषण भीमराओ अम्बेडकर द्वारा संविधान सभा में दिया गया था 25–11–1949.

83 D

Ex.

84 D
Ex.

85 B
Ex. कथन संविधानवाद की व्याख्या कर रहा है और कारण संविधान की परिभाषा से सम्बन्धित है।

86 C
Ex.

87 A
Ex.

88 B
Ex.

89 A
Ex.

90 D
Ex.

91 B
Ex.

92 C
Ex.

93 B
Ex.

94 D
Ex.

95 D
Ex.

96 A
Ex.

97 C
Ex.

98 A
Ex.

99 D
Ex.

100 B
Ex.